

2, 6, 22. 83, 3, 2, 42, 49. — प्रियो दृश इव भूत्वा AV. 4, 37, 11. सर्वं तद्भिन्नै-
भ्यो दृशे कुरु 11, 9, 1. स्पार्हा यस्य श्रियो दृशे RV. 7, 15, 5. 8, 83, 2. दृष्ट्वा
कृष्यन्त् M. 2, 54. 98. 4, 59. गृधं च निक्तं दृष्ट्वा R. 1, 1, 52. दृश्य = दृष्ट्वा
32, 18. 48, 10. 76, 22. इष्टुम् N. 14, 28. R. 1, 9, 30. R. 1, 10. प्रविशन्तं च मां
तत्र न काश्चिद्दृष्ट्वात्: N. 4, 26. 20, 19. 23, 14. MBh. 2, 2345. PAÑKĀT. 43,
6. absol. कन्यादर्शं वरयति jedes Mädchen, das er sieht, P. 3, 4, 29, Sch.
त्वमभ्रासि बालदर्शमिह् KATBIS. 24, 216. Jmd sehen so v. a. seine Auf-
wartung machen: अथ तो व्युषिता रात्रिं नलो राजा स्वलंकृतः । वैदर्भ्या
सहितः काले दर्शं वसुधाधिपम् ॥ N. 25, 1. प्रत्युद्यौ मुनिं द्रष्टुं ब्रह्माण-
मिव वासवः ॥ R. 1, 20, 8. Hierher wohl auch das pass. MBh. 3, 10396.
ansehen, betrachten: (तान्) दर्शालंकृतो राजा प्रजापतिरिव प्रजाः R. 2, 1, 31.
MBh. 3, 15580. ये यं हि दृशे तेषां तं तं मेने नलं नृपम् 2202. तमेवादानु-
रुचस्ता नृपाः कालमिवोत्वयाम् RĀGĀ-TAR. 5, 148. sehen so v. a. mit dem
Geiste schauen, erkennen, sich vertraut machen mit: दृष्ट्वा वै ध्यानचतु-
पा भविष्यमेव R. 1, 9, 64. एता दृष्ट्वास्य जीवस्य गतीः स्वेनैव चेतसा M. 12,
23, 1, 110. स्वदृष्ट्वाद्भिर्विबुधैः BHĀG. P. 2, 9, 9. भारद्वाजमतं दृष्ट्वा Kenntniss
nehmen von VARĀH. BRH. S. 85, 2. RĀGĀ-TAR. 1, 18. तृतीयं सवर्नं चैव राज्ञो
ऽस्य — चक्रुस्ते शास्त्रतो दृष्ट्वा nachdem sie sich aus den heiligen Vor-
schriften hierin eine Einsicht verschafft hatten, den heiligen Vorschrif-
ten gemäss (vgl. शास्त्रदर्शनात् MBh. 14, 2700. शास्त्रदृष्टमाह MĀLAV. 9, 13)
R. 1, 13, 7. sein Auge auf Etwas richten so v. a. sich um Etwas küm-
mern, untersuchen, prüfen: दर्शं राजकार्याणि न यथा मुमक्षात्यपि VID.
13. को नामावोर्व्यवहारं द्रष्टयति PAÑKĀT. 165, 7. JĀGĀ. 1, 326. 2, 305. er-
schauen, ersinnen von der Intuition über sinnlicher, religiöser Dinge:
देवा एतान्प्रयाजान्दृष्टुः ÇĀT. BR. 1, 3, 3, 3. आग्नीः 13, 2, 3, 14. अञ्जःसवम्
AIT. BR. 7, 17. 6, 34. nam. stehender Ausdruck für das Erfinden der hei-
ligen Lieder durch die Rishi: ऋषिदर्शनात्स्तोमान्दर्शं NIR. 2, 11. दर्शदि
मधुच्छन्दः द्यधिकं यदृचो शतम् Roth, Zur L. u. G. d. W. 26. SĀ. zu RV.
1, 105. — pass. (med.) gesehen werden, zu Gesicht kommen, sichtbar wer-
den, — sein; aussehen, erscheinen, scheinen: समो दिवा दृश्ये रोचमानः
RV. 7, 62, 1. 3, 55, 8. 4, 11, 1. 5, 44, 6. तिरः शाचिषो दृश्ये पावकः 6, 10, 4.
दिवाः कृरिर्दृश्ये नक्तमूत्रः bei Tage sieht er gelblich, bei Nacht rötlich
aus 9, 97, 9. न किर्दृश्ये इन्द्रियं ते man nimmt nicht wahr 6, 27, 3. धात्रिरे-
केस्य दृश्ये न रूपम् 1, 164, 44. 7, 61, 5. भद्रा दृश्ये उर्विया वि भासि 6, 64,
2. 7, 76, 3. दृश्ये एषामवमा सर्दासि 3, 54, 5. 1, 24, 10. अर्दीर्शि गातुः 1, 136,
1. 5, 1, 2. 10, 107, 1. स्तेना अदृश्यत्रिपवो जनासः 5, 3, 11. उत वैश्वेव दृश्य-
ते 10, 146, 3. AV. 7, 101, 1. सद्यो ज्ञातस्य दृश्ये ज्ञानमोक्षः RV. 4, 7, 1. अश्रयो
न क्रोड्यो दृश्ये ज्ञानाः 10, 95, 9. दृश्ये ज्ञानो रूक्म उर्विया व्यद्यौत् 43, 8. सूर्य-
स्य चेति रूष्मिर्भिर्दृश्ये 1, 92, 12. ÇĀT. BR. 2, 3, 4, 22. 4, 2, 7. यत्सत्यं तद्-
श्यताम् ĀÇV. GRH. 1, 5, 4, 4. — दृश्यसे दृश्यसे राजन्नेव दृष्टो ऽसि so v. a.
ich sehe dich MBh. 2, 2370. प्रणु भे मघवन्नेन न दृश्यते महीलितः N. 2,
19. दृश्ये राजा स भुजः VID. 217. BHĀT. 3, 19. 4, 15. क्रुद्धेन कुम्भकर्णेन ये
ऽदर्शितं शत्रवः 15, 72. त्वयाद्यैव कृतार्थो द्रष्टयते पतिः 5, 58. 16, 10. र-
नोभिर्दर्शिषीष्ठास्त्वं द्रष्टीरन्वता च ते 19, 29. ततः परं भरद्वाजो भवता दृ-
र्शिता मुनिः । द्रष्टारश्च जनाः 22, 10, 11. ज्ञानात्तरगते भानि यत्सूक्ष्मं दृश्यते
रजः M. 8, 132. उःखिता यत्र दृश्येरन्विकृताः पापकारिणाः 9, 288. N. 3, 5,
19, 25. ÇĀK. 56. 142. RAGH. 3, 40. दृश्येरे घनाः DAÇ. 1, 15. यस्य दृश्यते स-
प्ताहात् — रोगो ऽग्निर्ज्ञातिमरणम् M. 8, 108. पश्चाद्दृश्यते यत्किञ्चित् 9, 218.

JĀGĀ. 2, 126. अकामस्य क्रिया काचिद्दृश्यते नेह कर्त्तुञ्चित् M. 2, 4. संभोगो
दृश्यते यत्र न दृश्येतागमः काचित् 8, 200. विन्दति: — भाष्ये ऽपि दृश्यते
wird gesehen so v. a. findet sich KĀR. 10 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10. अ-
नित्यो विज्ञयो यस्माद्दृश्यते युध्यमानयोः M. 7, 199. तद्द्रुतमदृश्यते R. 1,
73, 35. MBh. 13, 1920. नीचैर्विनयाद्दृश्यते RAGH. 3, 34. बलवद्वस्त्राया श-
कुलता दृश्यते ÇĀK. 33, 11. ह्यमिदमयथार्थं दृश्यते मदिधेषु erweist sich
als unwahr 54. स जनैर्दृश्ये — शशाङ्क इव er erschien den Leuten wie
der Mond VID. 327. मेघप्रतिफलता हि सूर्यरश्मयो धनुराकारेण दृश्यते
erscheinen in der Gestalt von H. 179, Sch. Mit dem Charakter des pass.,
aber mit der Endung des act.: कलिस्त्वन्नेन नादृश्यत् N. 20, 31. साक्ष्म-
द्य सभामध्ये दृश्यामि MBh. 2, 2345. एतद्दृश्यति देवानामाक्रीडं चरणाङ्कि-
तम् 3, 10823. 4, 1865. दृश्यन् und अदृश्यन् 15, 1025. 1, 7670. — in Au-
genschein genommen —, betrachtet werden: दृश्यतामत्रभवतामृषी-
णां तपोवनभूमयः ÇĀK. 100, 22. bekannt sein, fest stehen: अत्रिं स्वरातो
भवतीति दृश्यताम् KĀR. 1 aus KĀÇ. zu P. 7, 2, 10. शङ्कुः कीलकं ऽज्ञप्तु
दृश्यते in der Bed. von कीलक u. s. w. TRIK. 3, 3, 14. 141. — partic. दृष्ट
mit श्रेणि u. s. w. componirt gaṇa कृतादि zu P. 2, 1, 59. gesehen, er-
blickt: तद्दृष्ट्वाद्यथा दृष्टं यथा अतम् M. 8, 76. सान्नी दृष्ट्वात्तद्व्यद्विबुधम् 75.
एष दृष्टो ऽसि MBh. 2, 2370. VID. 297. तं तु ज्ञाता मया दृष्टा दृष्टाणुषु पि-
तुर्गृहे N. 17, 14. द्यायुष्मान्मया विज्ञितो दृष्टः ÇĀK. 93, 15. दृष्टः स्वप्ने कित-
व रमयन्कामपि तं मया MEGH. 110. किं नु स्वप्नो मया दृष्टः N. 12, 73. sicht-
bar AV. 2, 31, 2. 5, 23, 7. 8, 8, 15. VS. 16, 7. wahrgenommen, wahrnehm-
bar SĀMĀKĀK. 1. 2. 30. दृष्ट इहैवोपलभ्यमानः शब्दादिः (विषयः) Schol.
zu JOGAS. 1, 15. wahrgenommen, bemerkt: न कदाचिच्चित्तविकृतिर्दृष्टा PAÑ-
KĀT. 85, 1. angeblickt, angeschaut: दृष्टः सविस्मयं सर्वैर्वीक्षिणीकृतरानसः
VID. 322. ÇĀK. 59. angeblickt so v. a. behandelt: उत्तरोत्तरस्नेहेन प्रसादेन
च तेनाहं दृष्टः PAÑKĀT. 85, 1. erscheinend, sich einstellend, sich offenba-
rend; sich findend, da seiend: दृष्टप्रत्यय PAÑKĀT. 36, 20. परस्त्रिकाला-
दकालो ऽपि दृष्टः ÇVETĀÇV. UP. 6, 5. तिरश्चामपि विश्वासो दृष्टः HIT. 1, 80.
JĀGĀ. 3, 163. gesehen so v. a. zu Theil geworden, erfahren, erlitten: अ-
दृष्टसदृशप्रज्ञ RAGH. 1, 65. दृष्टदुःख R. 3, 47, 18. अदृष्टदुःख R. 2, 24, 2. दृष्टक-
ष्ट RĀGĀ-TAR. 3, 258. im Geiste erschaut, ausgesonnen: उपायो ऽयं मया
दृष्टो निरपायः N. 4, 19. 24, 24. erkannt: दृष्टार्थतत्त्वज्ञ R. 4, 17, 49. सूतेन
शिष्टेन दृष्टकर्मणा MBh. in BENF. Chr. 25, 54. RĀGĀ-TAR. 2, 118. eingesehen,
wovon man Kenntniss genommen hat: शास्त्रेषु दृष्टेषु VARĀH. BRH. 1, 2.
स्वकर्मदृष्टशास्त्रव KĀM. NITIS. 8, 10. vorhergesehen, im Voraus bestimmt
(von den Göttern): दृष्ट्यापि सूरैः पूर्वं विनाशो यत्तरुसाम MBh. 3, 11784.
1, 1204. geoffenbart KĀTJ. ÇR. 1, 2, 20. दृष्टं साम P. 4, 2, 7. धर्मतत्त्वम् — पु-
राणामृषिर्भिर्दृष्टम् MBh. 1, 4718. 3, 7026. entschieden: अहो न सम्यग्दृष्टो
ऽयं न्यायः PAÑKĀT. 97, 2. festgesetzt, feststehend, anerkannt, geltend: दृ-
ष्टेदेष M. 8, 64. JĀGĀ. 2, 71. ÇĀK. 23, 5, v. l. RĀGĀ-TAR. 5, 299. यावानव-
ध्यस्य वधे तावान्वध्यस्य मोक्षणे । अर्धमो नृपतेर्दृष्टः M. 9, 249. तस्येह भा-
गिनी दृष्टो वोज्ञो क्षेत्रिक एव च 53. व्यूतमेतत्पुराकल्पे दृष्टे वैरकरं मरुत्
227. 87. SĀMĀKĀK. 43. स्थानिभूतादचः पूर्वत्वेन दृष्टस्य विधा कर्तव्ये P. 4,
1, 57, Sch. दिशि दृष्टः शब्दो दिक्कब्दः P. 2, 3, 29, Sch. देशदृष्टेय शास्त्रद-
ृष्टेय हेतुभिः M. 8, 3. शास्त्रदृष्टेन वर्त्मना R. 5, 77, 13. शास्त्रदृष्टमाह देवः
MĀLAV. 9, 13. वेददृष्टेन कर्मणा MBh. 1, 895. विधिदृष्टेन कर्मणा N. 23, 14.
ARÇ. 2, 8. R. 1, 49, 20. यज्ञो विधिदृष्टः BHĀG. 17, 11. प्रमाणदृष्टो धर्मो ऽय-